**भारत सरकार**

**वित्त मंत्रालय**

**आर्थिक कार्य विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 44**

**(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 दिसंबर, 2018/20 अग्रहायण, 1940 (शक) को दिया जाना है।)**

**डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट**

**44. श्री सुरेन्द्र सिंह नागर:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत अब तक के सबसे निचले स्तर पर है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) रुपये के अवमूल्यन को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री (श्री पोन्. राधाकृष्णन्)**

(क) रुपये में अक्तूबर 2018 के आरंभ तक कच्चे तेल के मूल्यों में वृद्धि और अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय व्यापार चिंताओं और भौगोलिक राजनीतिक मुद्दों के परिणामस्वरूप विदेशी पोर्टफोलियों निवेश बहिर्वाह के कारण सामान्य अवमूल्यन का रूझान रहा। रुपया 2018 में 14.3 प्रतिशत के अवमूल्यन के साथ दिनांक 11 अक्तूबर, 2018 को एक ही दिन में 74.49 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। तथापि, बाद में रुपये का मूल्यवर्धन हुआ और 30 नवम्बर, 2018 को अमरीकी डॉलर की तुलना में 69.58 रुपये पर बंद हुआ। इस प्रकार वर्ष के दौरान अब तक अमरीकी डॉलर की तुलना में 8.20 प्रतिशत अवमूल्यन की स्थिति देखने में आई। अक्तूबर से रुपये के सामान्य अधिमूल्यन रूझान से कच्चे तेल के मूल्यों में सुगमता हुई और नवम्बर महीने में विदेशी पोर्टफोलियों अंतर्वाह 1.8 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

(ख) और (ग): यह उल्लेख किया जा सकता है कि रुपये की विनिमय दर बाजार आधारित होती है। तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक, अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने और सामान्य स्थिति बनाए रखने की दृष्टि से स्थायी विनिमय दर के लिए बिना किसी निर्धारित लक्ष्य और बैंड के घरेलू विदेशी विनिमय बाजार में हस्तक्षेप करता है। भारतीय रिजर्व बैंक स्थितियों पर निगरानी बनाए रखेगा और फारेक्स बाजार अस्थिरता की अवधियों में स्थिरता लाने के लिए उपयुक्त कदम उठाएगा।

**\*\*\*\*\***